Q. Policies & programmes of regional development?

क्षेत्रीय असमानता को दूर करने के लिए संतुलित क्षेत्रीय विकास की आवश्यकता होती है। इसी महत्व को समझते हुए नियोजनकर्ता ने क्षेत्रीय नियोजन प्रक्रिया की शुरुआत की है। इसी क्रम में द्वितीय पंचवर्षीय योजना के पृष्ठ 36 पर में यह कहा गया है कि "कोई भी ग्राह्य योजना तभी प्रमाणित होगी जब किसी कम विकसीत क्षेत्र की ओर आकर्षण हो, तथा पूँजी का प्रतिरूप संतुलित क्षेत्रीय विकास का औजार बने"। अर्थात् क्षेत्रीय विकास ही राष्ट्रीय विकास की ~~मार्ग प्रशस्त~~ ओर अग्रसर कर सकती है।

Policies & programmes ⇒ क्षेत्रीय विकास के लिए नीति और कार्यक्रम पंचवर्षीय योजनाओं द्वारा क्रियान्वित होते हैं जो निम्न हैं —:

1. प्रथम एवं द्वितीय पंचवर्षीय योजना ⇒
   इन योजनाओं के तहत कम विकसीत क्षेत्र पर ध्यान देने को आकर्षण का प्रस्ताव रखा गया। नये उद्योग की स्थापना पिछड़े क्षेत्रों में कर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया। साथ ही रोजगार के औ साधन उन क्षेत्रों के लोगों के लिए बने।

2. तृतीय पंचवर्षीय योजना ⇒
   इस योजना का प्रमुख लक्ष्य "संतुलित क्षेत्रीय विकास" था। ~~जिसके यह योजना देश के विभिन्न भागों में संतुलित विकास की ओर अग्रसर करती थी। अर्थात्~~ इसकी उपस्थिति दो लक्ष्यों के आधार पर थी। —:

(i) उन राज्यों की मदद की जाये जिनके क्षेत्रों के बीच असमानता हो -

(ii) ~~ऐसे नीति कार्यक्रम~~, किसी राज्य के क्षेत्रीय असमानता को दूर करने वाले ऐसे कार्यक्रम (जो पूर्व में बने थे) उन्हे बढ़ाया जाये या फिर से शुरु की जाये। —

(1) उन राज्यों की मदद की जाये जिनके क्षेत्रों के बीच असमानता हो → इससे सम्बन्धित कार्यक्रम निम्न हैं।

(a) कृषि की उत्पादकता बढ़ाई जाये।
(b) ऐसे कदम जो उच्च संभावनायें हो जिससे आय और रोजगार बढ़े
(c) ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी सामाजिक सेवायें जिसके द्वारा प्राथमिक शिक्षा, जल प्रबंधन, सफाई और स्वास्थ्य की देख-भाल हो।

Scanned with OKEN Scanner

(a) संचार और शक्ति का विकास।
(b) राज्य के कम विकसित क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर बढ़ाया जाये।

(2) पूर्व कार्यक्रमों का संशोधन =>
पूर्व में जो क्षेत्र कम विकसित थे उनके और ध्यान आकृष्ट कर कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर लक्ष्य को प्राप्त करना –

(a) गहन कृषि का विकास | (c) छोटे और गाँव के उद्योगों को बढ़ाना
(b) सिंचाई को बढ़ाया जाना | (d) शक्ति की उच्च मात्रा पर रखना
(e) सड़क एंव रेल का विकास | (f) 6-11 वर्ष के बच्चों के लिए सर्वत्र शिक्षा अनिवार्य
(g)
(h) जीवन स्तर में सुधार एंव पानी-प्रबंधन।
(i) (welfare) कार्यक्रम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एंव पिछड़े वर्ग
(j) ग्रामीण कार्य को बढ़ावा जो गरीबी और अर्द्ध बेरोजारी को दूर करे,
(k) देश के कम विकसित क्षेत्रों में उच्च औद्योगिक परियोजना और नदी-घाटी परियोजना को स्थापित करना।

ये सभी कार्यक्रम अगले कार्यक्रम में भी लागू रहे लेकिन इनके अलावा भी कुछ नये कार्यक्रम चौथी पंचवर्षीय योजनाओं में जुड़े –

4th Five year plan →
अधिक लोग कम विकसित क्षेत्र में रहने वाले होते हैं ग्रामीण गरीब जनता तथा छोटे किसानों निम्न कार्यक्रम निर्धारित उन किसान पिछड़े क्षेत्र को लाभान्वित करते हैं

(i) छोटे किसानों की विकास संस्था Small Farmers Development Agency
(ii) Marginal ,, and Agricultural Labourers development Agency (MFALDA)
(iii) Drought Prone Area Program (DPAP)
(iv) Crash Scheme for Rural Employment (CSRE)
(v) Pilot Intensive Rural Employment Project (PIREP.
(vi)

Scanned with OKEN Scanner

5th plan period =>
इस योजना में चौथी योजना के क्रियान्वन के साथ क्षेत्र विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही संसाधन आधारित और समस्या आधारित ~~विकास लक्ष्य~~ approach ~~लिया गया~~। लक्ष्य क्षेत्र आधारित, कार्यक्रम निर्धारित किये गये जिसमें प्रमुख निम्न है—

(1) संसाधन / समस्या आधारित क्षेत्र कार्यक्रम =>
इसके अन्तर्गत सूखा क्षेत्र, साधारण क्षेत्र विकास कार्यक्रम, पर्वतीय क्षेत्र विकास, मरुस्थलीय विकास कार्यक्रम आते है।

(2) लक्षित वर्ग कार्यक्रम => SFDA कार्यक्रम, Tribal development Agency Project.

(3) खास क्षेत्रों में गहन कार्यक्रम =>

6th plan period =>
(i) इस योजना में पूर्णत: क्षेत्रीय असमानता को दूर करने पर ध्यान दिया गया। (ii) क्षेत्रीय नियोजन के क्रिया-विधि को ग्रहण किया गया ताकि जो नीति के अधीन क्रियान्वित कर क्षेत्रीय विकास को पूर्णत: राष्ट्रीय विकास की ओर अग्रसर करें।
(a) मरुस्थलीय विकास कार्यक्रम 21 जिला के 126 प्रखंडों में चलाये गये जिसमें 64.9 करोड़ का खर्च किया जाना तय हुआ।
जबकि बहुत महत्वपूर्ण योजना का क्रियान्वन इस योजना के तहत हुआ जिसमें समन्वित सम्पूर्ण ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP)
(b) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार " (NREP)
यद्यपि ये क्षेत्रीय विकास के नीति नहीं थे फिर भी इससे रोजगार, गरीबी और क्षेत्रीय विषमता को छोड़ा नहीं जा सकता।

7th plan =>

Scanned with OKEN Scanner